नवभारत

| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ग्लोबल साउथ की आवाज बना भारत

जी -7 शिखर सम्मेलन लंबे समय से दुनिया की सबसे प्रभावशाली अर्थव्यवस्थाओं का मंच माना जाता रहा है. हालांकि वैश्विक व्यवस्था में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच अब यह मंच केवल विकसित देशों के हितों तक सीमित नहीं रह सकता. फ्रांस के इवियां में आयोजित जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इसी बदलती वैश्विक वास्तविकता का प्रतिबिंब था, जिसमें उन्होंने भारत के साथ-साथ पूरे ग्लोबल साउथ की चिंताओं को प्रमुखता से दुनिया के सामने रखा.आज विश्व एक साथ कई संकटों का सामना कर रहा है.

रूस-यूक्रेन युद्ध अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, वहीं पश्चिम एशिया के तनाव ने नई अनिश्चितताओं को जन्म दिया है. इन संघर्षों का सबसे अधिक असर उन विकासशील देशों पर पड़ता है, जो ऊर्जा, खाद्यान्न और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर हैं. ऐसे समय में प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शांति और स्थिरता के बिना अंतरराष्ट्रीय एकजुटता की कल्पना संभव नहीं है. उन्होंने बातचीत और कूटनीति को हर संघर्ष के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम बताया. यह दृष्टिकोण भारत की उस पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप है, जो टकराव की बजाय संवाद और सहमति पर जोर देती है.

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों और देशों की संप्रभुता के सम्मान को भी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला बताया. वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में कई क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी हुई है, जिससे वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा है. यदि विश्व समुदाय वास्तव में स्थायी शांति चाहता है, तो उसे नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करना होगा. मोदी का यह संदेश केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए था. इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि भारत ने एक बार फिर ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया. एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक देश जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, गरीबी और आर्थिक असमानता जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं. विकसित देशों की नीतियों और वैश्विक संघर्षों का प्रतिकूल प्रभाव सबसे पहले इन्हीं देशों पर पड़ता है. ऐसे में भारत का यह कहना कि दुनिया को ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना होगा, समय की मांग है.

भारत आज आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से उस स्थिति में है कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सके .आतंकवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी का रुख भी स्पष्ट और दृढ़ रहा. पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए खतरा है. आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों के खिलाफ सख्त और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर उनका जोर उचित है. दुर्भाग्य से दुनिया अब भी आतंकवाद के प्रश्न पर एक समान दृष्टिकोण विकसित नहीं कर सकी है. ऐसे में भारत का यह आग्रह वैश्विक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है.

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण देश बन चुका है. जी-7 में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भारत की बात नहीं था, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज था जो विकास, शांति और समान अवसरों वाली विश्व व्यवस्था की अपेक्षा रखते हैं. बदलती दुनिया में यही भारत

आईसीएमआर स्वास्थ्य अनुसंधान को दे रहा आकार

डॉ. राजीव बहल

एक सदी की मौन क्रांति, एक दशक का जरूरी सुधार और विकसित भारत 2047 का रोडमैप प्रभाव अकेले किसी व्यक्ति से नहीं- बल्कि प्रणालियों के तालमेल से संभव होता है. साथ मिलकर, हम आंकड़ों से निर्णय और फिर प्रभाव छोड़ने तक की यात्रा पूरी करेंगे. अब जबकि देश 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमारे सामने सवाल सिर्फ बीमारियों का इलाज करने के तरीकों का नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगा लेने वाली एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण का भी है जो सबके लिए न्यायसंगत और नई सोच पर आधारित हो.

> यह समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य अनुसंधान कोई अलग-थलग रहकर किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास है. आईसीएमआर में हो रहा बदलाव सभी हितधारकों को इस यात्रा में शामिल होने, मिलकर समाधान तैयार करने और यह सुनिश्चित करने का एक न्योता है कि विज्ञान सबसे सार्थक तरीके से समाज की सेवा करे. स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणाली में सुधार अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं है. यह वह नींव है जिस पर एक स्वस्थ, अधिक न्यायसंगत और अधिक सुदृढ़ भारत का निर्माण होगा- एक ऐसा भारत जहां हर खोज का लाभ लोगों तक पहुंचेगा और हर नए कदम का प्रभाव वास्तव में दिखाई देगा.

इस बदलाव के केन्द्र में स्वास्थ्य अनुसंधान का एक ऐसा नया दृष्टिकोण है, जो आंकड़ों (डेटा) को निर्णयों से और फिर निर्णयों को प्रभाव से जोड़ता है. कोविड-19 महामारी से मिले कठोर अनुभवों से सीख लेते हुए, जैव-चिकित्सा अनुसंधान (बायोमेडिकल रिसर्च) की देश की शीर्ष संस्था, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए हैं. इन सुधारों में संस्थागत ढांचे को नए सिरे से तैयार करने से लेकर अनुसंधान के लिए फंड देने और उसे असरदार नतीजों में बदलने के तरीकों को ठोस बनाना शामिल है. जो प्रणाली कभी बिखरी हुई और जांचकर्ताओं की पूछताछ पर टिकी थी, वह अब तकनीक द्वारा संचालित और लक्ष्यों पर केन्द्रित एक इकोसिस्टम में बदल रही है. यह बदलाव महज प्रशासनिक नहीं, बल्कि दार्शनिक भी है.

यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, संस्थान-आधारित समन्वित अनुसंधान की दिशा में एक ऐसी सोची-समझी पहल को दर्शाता है, जहां विज्ञान का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान का सृजन करना नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों का समाधान करना भी है. इस बदलाव का एक मुख्य आधार आईसीएमआर के संस्थागत ढांचे का पुनर्गठन है. हालिया सुधारों ने कई संस्थानों के दायित्वों को बढ़ाया है और उन्हें सीमित दायरे वाली इकाइयों के बजाय अंतर-विषयक केन्द्रों के रूप में नई पहचान दी है. डिजिटल हेल्थ एवं डेटा साइंस, बच्चों की सेहत, महिलाओं की सेहत, और खून व प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी बीमारियों जैसे क्षेत्रों की ओर संस्थानों का झुकाव, भारत में बीमारियों के बदलते स्वरूप और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है. देश भर में - पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम के जोधपुर तक - क्षेत्रीय 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च' के नेटवर्क का निर्माण एक और अहम कदम है.

ये संस्थान राज्य और जिला स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर संक्रियात्मक अनुसंधान (ऑपरेशनल रिसर्च) करेंगे, ताकि जरूरी अनुसंधान और उसके नतीजों का जमीनी स्तर पर सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके. ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार विज्ञान की दिशा में एक ऐसे रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीनोमिक्स और रियल-टाइम डेटा सिस्टम सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं.

अलग-थलग रहकर काम करने के तरीके से हटकर एक आपस में जुड़े हुए राष्ट्रीय अनुसंधान इकोसिस्टम की दिशा में बढ़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. अब संस्थानों को ऐसे रिसोर्स सेंटरों के तौर पर देखा जा रहा है जो एक साझा राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें और किसी एक स्थान पर मिले साक्ष्यों का उपयोग पूरे देश में कार्रवाई के लिए किया जाना सुनिश्चित करें. प्रणालीगत-स्तर की यह सोच एक ऐसे दौर में बेहद जरूरी है जब स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां- चाहे वे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) या महामारी या फिर गैर-संचारी रोगों से जुड़ी हों - जटिल और आपस में जुड़ी हुई हैं. संस्थागत सुधारों के साथ-साथ, अनुसंधान से संबंधित फंडिंग इकोसिस्टम को बुनियादी तौर पर फिर से तैयार करना भी जरूरी है. फंडिंग के तरीके की दृष्टि से, आंतरिक (इंट्रा-म्यूरल) और बाह्य (एक्स्ट्रा-म्यूरल) अनुसंधान के बीच का विभाजन बिल्कुल साफ है.

(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक हैं)

ग्वालियर चंबल डायरी

प्रवीण के ताल ठोकने के बाद चेंबर में बदलने लगा हाउसों का स्वरूप

हरीश दुबे

ग्वालियर चंबल अंचल के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के सवासौ साल पुराने संगठन मप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की सियासत अब तक व्हाइट और क्रिएटिव हाउसों के बीच विभाजित थी लेकिन चेंबर के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है जब हाउसों की हदबंदी टूटकर इनकी जगह समग्र व्यापारी समाज नजर आ रहा है. इसका अहसास कराया है मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने, जो व्हाइट हाउस से निकल कर आए हैं और निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं. क्रिएटिव हाउस अप्रत्यक्ष तौर पर उनके साथ खड़ा नजर आ रहा है.

दरअसल, क्रिएटिव ने बाकी पांच पदों के लिए तो प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं लेकिन अध्यक्ष पद को खाली छोड़ दिया है. इस हाउस के मुखिया राधेश्याम भाकर कह चुके हैं कि यदि कोई निर्दलीय या अन्य सुयोग्य प्रत्याशी मैदान में आया तो उसे भी समर्थन दे सकते हैं. क्रिएटिव की मीटिंग के दूसरे रोज ही प्रवीण ने अपनी निर्दलीय उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया तो क्या क्रिएटिव का रुख प्रवीण की तरफ है? यह चुनाव 'सिंधिया वर्सेज नरेंद्र सिंह' की भी शक्ल लेता दिख रहा है. प्रवीण जहां सिंधिया के नजदीकी हैं वहीं व्हाइट हाउस के प्रत्याशी पारस जैन नरेन्द्र सिंह से जुड़े हैं. लिहाजा ग्वालियर भाजपा के दोनों खेमे भी चुनाव में जोर लगाएंगे.

ओटीएफ मैराथन के जरिए कांग्रेस की नजर युवा वोट बैंक पर

युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मितेंद्र दर्शन सिंह ने आज बुधवार को ग्वालियर में कांग्रेस के आधा दर्जन से ज्यादा बड़े नेताओं को जोड़कर फिर अपनी ताकत दिखाई. बीती शाम उन्होंने नीट परीक्षा में धांधली के मुद्दे पर बड़ा मशाल जुलूस निकाला था तो आज सरकारी भर्ती परीक्षाओं में वन टाइम फीस व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर शहर की सड़कों पर मैराथन दौड़ आयोजित कर युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों के प्रति अपनी पार्टी की गंभीरता जाहिर करने की कोशिश की.

खास बात यह कि इन आयोजनों में कांग्रेस के प्रदेश मुखिया जीतू पटवारी, युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु और जयवर्धन, पीसी शर्मा, सचिन यादव और प्रियव्रत जैसे कई पूर्व मंत्री और विधायक भी शामिल हुए. मितेंद्र दर्शन अपने दिवंगत पिता की तरह पहले महल से जुड़े हुए थे लेकिन जब सिंधिया ने भगवा पहना तो इस युवा नेता ने उनके साथ जाने के बजाए कांग्रेस में रहना ज्यादा वाजिब समझा. कांग्रेस नेतृत्व ने भी उनकी वफादारी का मान रखकर उन्हें युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जैसी अहम जिम्मेदारी सौंपी. बहरहाल मितेंद्र की नजर मिशन 28 में ग्वालियर विधानसभा सीट से टिकट पर लगी है.

कोर्ट ने बंधाई अचलेश्वर न्यास के चुनाव की आस

एक ओर देश में इन दिनों अयोध्या के रामलला मंदिर की दानराशि में करोड़ों के हेरफेर का मामला गर्माया हुआ है, वहीं ग्वालियर चंबल की फ़िजां भी यहां के सबसे प्रतिष्ठित मंदिर अचलेश्वर के प्रबंधन को लेकर हाईकोर्ट द्वारा की गई तल्ख टिप्पणियों के चलते सरगर्म है. हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि पब्लिक ट्रस्ट की संपत्ति समाज के कल्याण और धार्मिक कार्यों के लिए होती है, न कि किसी के निजी मुनाफे के लिए. बहरहाल, खास बात यह है हाईकोर्ट के आदेश के बाद यहां अगले छह महीने के भीतर न्यास के चुनाव कराए जाने का रास्ता खुलता नजर आ रहा है.

वीरांगना मेला से ग्वालियर को मिली पहचान

देश की आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए शहीद हुई वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर भाजपा के हिंदुत्ववादी नेता जयभान सिंह पवैया पिछले 27 बरस से उनके समाधिस्थल पर वीरांगना बलिदान मेला लगाते आ रहे हैं. इस बार भी लगाया है. कह सकते हैं कि वीरांगना मेला के जरिए ग्वालियर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है और इसी के बाद स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई के योगदान पर देश के बड़े इतिहासकारों ने पुनर्लेखन किया है. पवैया चाहे सत्ता की वीथिकाओं में रहें या प्रतिपक्ष में, वीरांगना मेला की शान और रौनक में कोई कमी नहीं आई. भले ही सरकार से मदद न मिले, वे अपने दम पर भी मेला के लिए संसाधन जुटा लेते हैं. दिग्विजय और कमलनाथ के दौर में शहरवासी यह बखूबी देख भी चुके हैं.

4 राज्यों के चुनाव के लिए बीजेपी की तैयारी

बीजेपी ने पंजाब में अकालियों से तालमेल की बात शुरू कर दी है लेकिन कहा है कि इस बार अकाली खुद को छोटा और बीजेपी को बड़ा भाई मानकर चलें. यूपी में बीजेपी की अखिलेश यादव की सपा से टक्कर होगी. वहां बसपा और कांग्रेस का उतना प्रभाव नहीं रह गया है.

बीजेपी ने पंजाब, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है. यद्यपि यह चुनाव 2027 के फरवरी माह में होने की संभावना है लेकिन उस समय जनगणना का दौर चलेगा. इसे देखते हुए चुनाव आयोग से कहा जा सकता है कि वह 2026 के अंत में ही यह चुनाव करवा ले. बीजेपी नेतृत्व ने अपनी राज्य इकाइयों को चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आदेश दिया है. पार्टी मानती है कि चुनावी हवा उसके पक्ष में बह रही है और बंगाल की जीत के बाद से बीजेपी कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी ने तो और भी पहले चुनाव कराने की राय दी है. पंजाब में 'आप' नेता अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी के कार्यक्रम में संभावना जताई कि राज्य में नवंबर में चुनाव हो सकते हैं. बीजेपी ने पंजाब में अकालियों से तालमेल की बात शुरू कर दी है लेकिन कहा है कि इस बार अकाली खुद को छोटा और बीजेपी को बड़ा भाई मानकर चलें. यूपी में बीजेपी की अखिलेश यादव की सपा से टक्कर होगी. वहां बसपा और कांग्रेस का उतना प्रभाव नहीं रह गया है. उत्तराखंड व गोवा में बीजेपी की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस होगी. दिल्ली के बाद पंजाब में भी 'आप' को हटाने की बीजेपी की योजना है. दक्षिण भारत में अपनी मजबूती से कांग्रेस का आत्मविश्वास मजबूत हुआ है. केरल में उसके नेतृत्व के यूडीएफ की सरकार बनी है. कर्नाटक और तेलंगाना में उसकी पहले से सरकार है. तमिलनाडु में टीवीके की सरकार को उसका सहयोग है. कांग्रेस पंजाब में बूथ मैनेजमेंट मजबूत करने पर ध्यान दे रही है. हर बूथसेवक को 30 वोटर का जिम्मा सौंपा गया है. बीजेपी की रणनीति यह है कि यदि 4 राज्यों के चुनाव इसी वर्ष के अंत तक करा लिए जाते हैं तो विपक्ष को संभलने और तैयार होने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा. इसके विपरीत बीजेपी की चुनाव मशीनरी हमेशा तैयार रहती है. उसके केंद्रीय नेता राज्यों के प्रचार में भी सक्रियता से उतर जाते हैं तथा अनेक रैलियां व रोड शो करते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

घोटाले की बलि चढ़ा मंदिर का चंदा धर्म को भी बना लिया धंधा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनवाने के लिए बीजेपी, विश्व हिंदू परिषद आदि ने अनुकूल माहौल बनाया. करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र मंदिर बन गया, लेकिन मंदिर के चंदे में 1,400 करोड़ रुपये से ज्यादा घोटाला होने के गंभीर आरोप लग रहे हैं.'

हमने कहा, 'आरोपों पर ध्यान मत दीजिए. आप श्रद्धा कायम रखते हुए भजन गाते रहिए-अयोध्या नगरिया में रामजी पधारे! मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे! याद रखिए कि श्रद्धा में संशय का कोई स्थान नहीं रहता.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, धर्म को धंधा बनाने वालों ने करोड़ों रुपये का घोटाला कर डाला. अमानत में खयानत कर डाली. भगवान से भी विश्वासघात किया. यह कितना बड़ा पाप है!'

हमने कहा, 'आपने कहावत सुनी होगी- रामजी की चिड़िया, रामजी का खेत, खाओ चिड़िया भर-भर पेट ! भगवान के नाम भक्तों का भरपूर चढ़ावा आया तो उसका उतारा भी कर दिया गया. बिजनेस में चढ़ाव उतार तो चलता ही रहता है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यह धर्म है, व्यवसाय नहीं! चढ़ावे का उपयोग मंदिर में पूजा, आरती, प्रसाद, भक्तों के लिए सुविधा, धार्मिक आयोजनों, दान-धर्म, चैरिटी के लिए होना चाहिए. मंदिर के मेंटनेंस और भव्यता बनाए रखने के बाद बची हुई मोटी रकम का इस्तेमाल स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, तीर्थयात्री निवास बनाने, नाममात्र के शुल्क पर भोजन व्यवस्था, अनाथाश्रम, विधवा आश्रम के लिए करना चाहिए. लोगों को चंदे का गबन करते हुए शर्म नहीं आई ! छोटे लोग फंस रहे हैं और बड़े मगरमच्छों पर कार्रवाई नहीं हो रही है. निर्मोही अखाड़े ने विश्व हिंदू परिषद पर मंदिर निर्माण के नाम पर 1400 करोड़ की वसूली का आरोप लगाया. चढ़ावे की लूट भी 200 करोड़ के पार जाने का अनुमान है. नोट गिनने वाले करोड़पति हो गए. मंदिर ट्रस्ट के महासचिव व चंपत राय का सहयोगी टिन्नू पहले अयोध्या में ऑटोरिक्शा चलाता था. अब उसके पास एयरपोर्ट के करीब होस्टल है, जिसमें 70 कमरे हैं.'

हमने कहा, 'यह सब रामजी की लीला है. भगवान राम ने सुग्रीव को किष्किंधा का राज दिया था और विभीषण को लंकाधिपति बनाया था. अब मंदिर के नोट गिनने वालों और उनके आकाओं की किस्मत चमक रही है. किसी को कानून का डर नहीं है. एसआईटी जांच के नाम पर लीपापोती होगी. छुटभैयों पर कार्रवाई होगी, बड़े बच जाएंगे.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12292

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		4		5	
6				7	8		
9			10		11		12
13		14		15			
16				17		18	
		19	20				
21					22		

बाएं से दाएं

1.किसी नियम के अंतर्गत बना हुआ अन्य छोटा नियम 5. शरा के अनुसार न्याय करने वाला, निकाह पढ़ाने वाला मौलवी 6. अप्सरा जिसने विश्वामित्र की तपस्या भंग की थी 7. श्रेष्ठ 9. योग के अंतर्गत वह आसन जिसमें निर्धारित क्षणों के लिए निश्चेष्ट पड़े रहना पड़ता है 11. निर्झर 14. आक्रमण, चढ़ने की क्रिया 16. कूड़ा करकट 17. संपन्न, समृद्ध 19. बाग, बगीचा 21. घृणा 22. कुशल, निपुण

ऊपर से नीचे

1. शिव, शंभू, उमापति 2. जिसकी पान की दुकान हो 3. निकलने का मार्ग 4. मतवाला, नशे में चूर 5. डरपोक, भीरू 8. मोहित या मुग्ध होना 10. नई नवेली 12. अनुपयुक्त, अनुचित (उर्दू) 13. जमा करना, एकत्र करना 14. जड़ और चेतन, स्थावर और जंग 15. अच्छी नीयत, धर्म 18. जादुई, लाघवी 20. नहीं, राय

Solution 12291

क	चू	म	र		अ	री	
मा		नो	न		सु	त	ली
ई	श्व	र		प	र	ना	ला
	स	म	त	ल			व
ध	न		बे	क	ल		ती
म		शा	ला		ह	या	
का	य	म		क	र	त	ब
ना	म	क	र	ण		ना	ला

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी, राजनैतिक लाभ होगा, वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति मेंसुधार होगा, आय के अन्य स्त्रोतों में वृद्धि होगी, पूर्व परिचित से भेंट होगी, सफ्लता मिलेगी, मन में प्रसन्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है, स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, शुभ समाचार मिलेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम व उदासीनता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को खानपान पर ध्यान देना पडेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को आपसी सामंजस्य के साथ काम लेना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, स्वस्थ्य, मिलनसार, अच्छे व्यक्तित्व का धनी और परिश्रमी होगा, कार्यो में अच्छी सफ्लता प्राप्त करेगा. यह अमीरी जीवन व्यतीत करेगा, माता पिता को सुखी रखेगा, शिक्षा साधारण होते हुये भी अच्छी सफ्लता प्राप्त करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

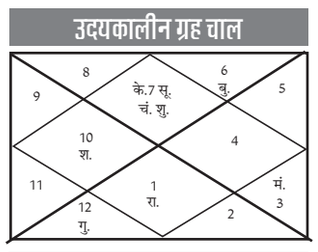

पंचांग

रा.मि. 28 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी गुरूवासरे रात 11/39, पुष्य नक्षत्रे दिन 4/22, व्याघात योगे रात 10/47, वणिज करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार कर्क, पर्व- वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, गेहूं, शक्कर, जौ, चना, रूई, आदि में तेजी होगी, अरहर उड़द, मूंग, मोठ, में घटाबढ़ी होगी, लालमिर्च के भाव में मंदी होगी, भाग्यांक 1475 है.

मेष- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, राजकीय मामले में पक्ष मजबूत होगा, शारीरिक अस्वस्थ्यता में सुधार होगा, नियोजित कार्य पूर्ण होगे.

वृषभ- विरोधी वर्ग उलझाने का कार्य करेगा, व्यापारिक यात्रा का योग है, परिश्रम अधिक करना होगा, अनपेक्षित कार्यो पर खर्च होगा, उदर विकार संभव है.

मिथुन- सुविधा की कमी से कामकाज में मुश्किल होगी, बांधव सुख मिलेगा, मनोरजन के कार्यो में खर्च होगा, दूरभाष पर खुश खबरी प्राप्त होगी.

कर्क- राजकीय कार्यो में लापरवाही से नुकसान होगा, वाणी पर नियंत्रण रखें, आर्थिक संतुलन बनाये रखें, राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

सिंह- पारिवारिक मित्रों से मुलाकात सुखद होगी, वैभव के सामान पर खर्च होगा, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, स्वजनों के कार्य में सहयोग रहेगा.

कन्या- खानपान की गड़बड़ी से स्वास्थ्य खराब होगा, वाहन चलाने में सावधानी रखें, जहां तक बने आप किसी को अधिक भरोसे में न रखें, परेशानी हो सकती है.

तुला- योजनाओं को पूरा करने में मुश्किल होगी, आय के नए श्रोत मिलेंगे, पारिवारिक सामंजस्यता बनी रहेगी, मांगलिक कार्यो की रूपरेखा बनेगी.

वृश्चिक- अधिकारियों की मदद से सफ्लता मिलेगी, जोखिम के कार्यो से दूर रहें, विवादास्पद स्थितियों को टालने का प्रयास करें, आर्थिक लाभ होगा.

धनु- इच्छित सफ्लता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव है, स्वास्थ्य का ध्यान रखें, आर्थिक लाभ होगा, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मकर- न चाहते हुये भी किसी की मदद करना पडेगी, दूर दराज की यात्रा का योग बन सकता है, प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी, हर्षोल्लास समाचार मिलेगा.

कुम्भ- आवेश में आकर गलत फैसला कर सकते हैं, हितचिन्तक की सलाह लेना लाभकारी है, कार्यो को गति मिलेगी, उठाईगीरों से सावधानी बांछनीय.

मीन- उच्च अध्ययन में सफ्लता मिलेगी, कार्य योजना में अडंगे लग सकते हैं, आर्थिक लेनदेन कम करें, सतर्कता सूझबूझ से काम करें, खर्च अधिक होगा.

SUDOKU 7424

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7423

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2